Bareilly, Friday,
19 December 2025
BAREILLY EDITION
Price ₹3.50/-
Pages 10

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO 4 : TOP

'घर जाऊं तो भला जाऊं मैं कैसे, हाथ में एक बेलन संभाल रखा है...'

रिद्धिमा में नवोदित कवियों के लिए "साहित्य सरिता" का चतुर्थ आयोजन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (18 Dec): एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार शाम "साहित्य सरिता" के अंतर्गत चतुर्थ कवि सम्मेलन आयोजित हुआ. इसमें रामू सिंह, प्रियांशु त्रिपाठी, विवेक ठाकुर, अनीता मौर्या, अभिषेक अनंत और मुकेश मीत ने अपनी रचनाओं के साहित्य प्रेमियों को वाहवाही हासिल की. साहित्य सरिता का आरंभ प्रियांशु त्रिपाठी ने किया. उन्होंने राधा रानी की महिमा को श्रोताओं के सामने रखा. कहा– 'गोकुल बरसाना की कहानी एक तरफ, यमुना जी का शीतल पानी एक तरफ, एक तरफ हैं सारे वैभव दुनियां के, लेकिन मेरी राधा-रानी एक तरफ. इसके बाद उन्होंने 'सांझ तले सूरज को ढलते देखा है, और शत्रु को घर में पलते देखा है' के साथ कविता 'दर्द में मुस्कुराना बड़ी बात है, जीतकर हार जाना बड़ी बात है, प्रेम से आप चाहों तो सिर काट लो, युद्ध में जीत पाना बड़ी बात है को सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी. कवि रामू सिंह ने 'ज्ञात रहता है हमें यह, कब गलत, हम कब सही हैं, और रहती याद बातें, कब कहां किसने कही हैं, सुनाया. कवियत्री अनीता मौर्या 'जिस घर में बुजुर्गों का बसेरा नहीं होता, उस घर में खुशियों का सवेरा नहीं होता, सुनाकर घर में बुजुर्गों की अहमियत को बताया. इसके साथ ही उन्होंने 'तुम्हारा इश्क़ नर्तन कर रहा है, हमारे मन को चंदन कर रहा है, सुनाकर कर प्रेमियों के दिलों को भी छुआ. विवेक ठाकुर ने 'भारत का इतिहास शिवाजी राणा के पुरुष का है, मंगल पांडे तात्या टोपे जैसे वीर पुरुष का है' सुनाकर देशभक्तों को झंकृत किया और जोश भरा. कवि अभिषेक अनंत ने 'मैं हूं अम्मा के करजवा का टुकड़ा, जरा देखो मेरा प्यारा प्यारा मुखड़ा, दिया जनम तो पालो बाबूजी, मुझे नाले में न डालो बाबूजी' सुनाकर बेटियों का महत्व बताया.

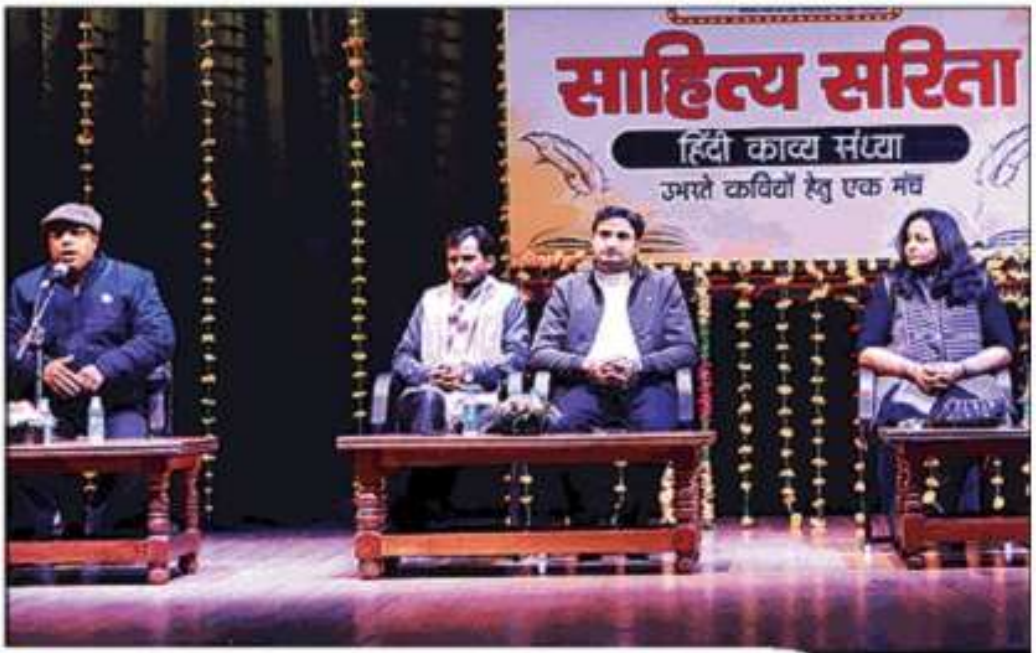

रिद्धिमा में साहित्य सरिता का हुआ आयोजन.